Printed from
नवभारत टाइम्स
Navbharat Times - Breaking news, views. reviews, cricket from across India

मेट्रो की बहन मोनो भी आएगी

22 Jan 2011, 1057 hrs IST, नवभारत टाइम्स

गुलशन खत्री

नई दिल्ली ।। दिल्ली मेट्रो के बाद अब उसकी छोटी बहन मोनो रेल को लाने के लिए फिर से कवायद शुरू कर दी गई है। पहले मोनो रेल की तीन लाइनें बनाने का विचार था, लेकिन अब दिल्ली सरकार तीन की बजाय शुरू में सिर्फ एक ही लाइन बनाने के बारे में सोच रही है। यह लाइन पूर्वी दिल्ली के कोंडली इलाके को उत्तर पश्चिम दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र से जोड़ेगी। दिल्ली सरकार ने ट्रांसपोर्ट विभाग से कहा है कि वह इस लाइन की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए बाकायदा प्रस्ताव बनाकर पेश करे ताकि डीपीआर तैयार कराने के बारे में फैसला लिया जा सके।

ट्रांसपोर्ट विभाग के सूत्रों के मुताबिक, 2008 में भी विभाग ने टेक्नो फीजिबल स्टडी कराई थी। उस वक्त दिल्ली में मोनो रेल के 47 किमी के तीन कॉरिडोर बनाने का सुझाव दिया गया था। लेकिन बाद में आर्थिक तंगी की वजह से सरकार ने इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। अब शुक्रवार को मोनो रेल तैयार करने के बारे में मल्टीनैशनल कंपनी हिताची की ओर से दिल्ली सरकार को बाकायदा प्रेजेंटेशन दिया गया। इस प्रेजेंटेशन के बाद ही ट्रांसपोर्ट विभाग से कहा गया कि वह मोनो रेल की प्रस्तावित एक ही लाइन के लिए डिटेल स्टडी रिपोर्ट तैयार कराने की कवायद शुरू करें।

ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दरअसल, पहले जिन तीन कॉरिडोर सुझाए गए थे, उनमें से कुछ जगह पहले से ही मेट्रो रेल की लाइनें तैयार हो गई हैं, जबकि कुछ जगह पर तीसरे फेज में मेट्रो रेल लाइन आ रही हैं। इसी वजह से पिछले साल अक्टूबर में राइट्स ने दिल्ली के ट्रांसपोर्ट ट्रैफिक के बारे में जो सिफारिश की है, उसके मुताबिक सुझाए गए मोनो रेल के एक ही कॉरिडोर की स्टडी कराई जाएगी।

नया कॉरिडोर: 40.3 किमी का यह कॉरिडोर कोंडली से रोहिणी के बीच बनाया जाएगा और इसका वाया दिल्ली गेट होगा। दरअसल, पहले जो तीन कॉरिडोर बनाए जाने थे, उनमें से एक रोहिणी सेक्टर 21 से लालकिला, कल्याणपुरी से पुल मिठाई और गुलाबी बाग से डीयू था। अब रोहिणी सेक्टर 21 से लालकिला के बीच चांदनी चौक तक मेट्रो लाइन बन ही चुकी है। इसी तरह लालकिला तक फेज तीन में मेट्रो रेल लाइन आने जा रही है। इसी तरह से गुलाबी बाग और डीयू तक भी मेट्रो पहुंच चुकी है। ऐसे में अब मोनो रेल के लिए जिस नए कॉरिडोर की पहचान की गई है, वह कोंडली से रोहिणी का है। इसमें भी यह दरियागंज या लालकिला नहीं जाएगा, बल्कि इसे दिल्ली गेट से ही कमला मार्केट की ओर से रोहिणी की तरफ ले जाया जा सकता है।

पैसे की किल्लत: मोनो रेल के इस कॉरिडोर को तैयार करने पर लगभग आठ हजार करोड़ रुपये का खर्च आने की उम्मीद है। चूंकि दिल्ली सरकार के पास पैसे की कमी है, इसलिए इसे पीपीपी या फिर बीओटी के आधार पर ही बनाया जाएगा। लगभग दो साल पहले की स्टडी के मुताबिक, इस प्रॉजेक्ट में ऑपरेशनल गैप यानी ऑपरेशनल लागत और आमदनी के बीच का अंतर लगभग 46 फीसदी का था। अब माना जा रहा है कि अगर सरकार बीओटी पर आने वाली कंपनी को टैक्सों से छूट देती है और कुछ सुविधाएं दे देती है तो यह गैप कम होकर 30 फीसदी रह जाएगा। इस गैप के बराबर की राशि दिल्ली सरकार किस तरह से देगी, इस पर भी सरकार को फैसला करना होगा।

मेट्रो रेल बनाम मोनो रेल

।।मेट्रो 30 से 40 मीटर चौड़ी सड़क पर बन सकती है, जबकि मोनो रेल 15 से 25 मीटर चौड़ी सड़क पर

।।मेट्रो एक दिशा में हर घंटे 30 हजार पैसेंजर ढो सकती है, जबकि मोनो रेल प्रति दिशा 15 हजार प्रति घंटा

।।मेट्रो की स्पीड प्रति घंटे 25 से 40 किमी औसत होती है तो मोनो रेल की 20 से 30 किमी प्रति किमी, प्रति घंटा

इस आर्टिकल को फेसबुक पर शेयर करें।
इस आर्टिकल को ट्वीट करें।

देश-दुनिया की खबरें विडियो में। देखने के लिए क्लिक करें।

About Us | Advertise with Us | Terms of Use | Privacy Policy | Feedback | Sitemap
Copyright © 2011 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service
This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher; Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768